महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में उद्बोधन

स्थान:- सुभाष स्कूल भोपाल, दिनांक 25-01-13 समय:- प्रात: 11 बजे

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं। मेरा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में दृढ़ विश्वास है तथा मैं गौरवान्वित हूं कि मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सजग मतदाता हूं। मेरा मानना है कि मतदाता मजबूत लोकतंत्र की अमूल्य, अतुल्य अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण कड़ी होता है। मेरा ऐसा मानना है कि लोकतंत्र की सफलता स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव तथा ईमानदार जनप्रतिनिधियों के चुनने पर है वहीं इसकी मजबूती का उत्तरदायित्व देश के मतदाताओं का है, जो ईमानदार लगनशील एवं कर्मठ बनकर श्रेष्ठ एवं ईमानदार जनप्रतिनिधियों का चुनाव करे।

लोकतंत्र की मजबूती की पहली कड़ी में मतदाता सूची में नाम दर्ज होना महत्वपूर्ण कदम है। भारत निर्वाचन आयोग पात्र व्यक्तियों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने तथा शत-प्रतिशत मतदाताओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। सांख्यकीय आंकड़ों से ज्ञात होता है कि पढ़े लिखे युवा इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भूमिका नहीं निभा रहे हैं। जो लोकतंत्र मजबूती के लिए चिन्ता का विषय है। आवश्यकता तो केवल जागरूकता की है। इसलिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए वोटर शिक्षा अभियान “स्वीप” की मैं प्रशंसा करता हूं। जिसके तहत सभी शैक्षणिक संस्थाओं में वोटर शिक्षा दी जा रही है तथा युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लोकतांत्रिक प्रणाली के सफल संचालन के लिए यह आवश्यक है कि नागरिक अपने आप को सतत एवं पूर्णत: जागरूक बनाये रखें।

ऐसे समारोह का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को लोकतंत्र में उनकी अहम भूमिका से अवगत कराना है ताकि संवैधानिक नियमों के तहत मिले मताधिकार के प्रयोग हेतु 18 एवं 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराकर मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करें।

आज के बदलते परिवेश में भी भारत निर्वाचन आयोग आधुनिक तकनीकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के साथ-साथ निर्वाचक नामावली की गुणवत्ता सुधारने तथा चुनाव प्रबंधन के लिए कर रहा है। आधुनिक तकनीकी एवं संचार का

प्रत्यक्ष उदाहरण है कि विगत तीन आम चुनावों से मताधिकार के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन तथा चुनाव के लिए फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का उपयोग हो रहा है।

मुझे भारतीय लोकतांत्रिक परम्परा पर गर्व है तथा मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप स्वयं लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरूक होकर आगे आयेंगें तथा अन्य पात्र आमजनों के नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए दूसरों को प्रेरित करेंगे।

आशा है कि आप लोकतांत्रिक मूल्यों को समझेंगे तथा जागरूक नागरिक होने का परिचय देते हुए आप मतदाता सूची में अपना नाम विधिवत जुड़वाकर लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करते हुए अपने राष्ट्र को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में देख सकेंगे।

जय हिन्द।